बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी-जनवरी, २०१९)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र -२**

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ३ मार्च, २०१९ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें। परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

कुल गुण : १००

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - द्वितीय संस्करण, जनवरी - २००९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''यदि हम सिर्फ़ जीवों के गुनाहों की ओर देखते रहे तो किसी का भी मोक्ष न होता।''
२. ''हमने आज्ञा लोपकर दोनों खोया।''
३. ''आपने हमारी आज्ञा नहीं मानी, इसलिए आपको विमुख करना पड़ेगा।''

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[६]**

१. अपनी आत्मा को किस से परे मान कर परमात्मा का ध्यान करना चाहिए?
२. जनमंगलस्तोत्रम् का जप कौन सी सिद्धि के लिए किया जाता है?
३. गणिका को मेहनताना के बदले में महाराज ने क्या देने को कहा?
४. तीसरी मानसी पूजा कब होती है?
५. एकांतिक धर्म किसे कहते हैं?
६. कर्ज़ चुकाते समय क्या अनिवार्य है?

प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. अक्षर की महिमा (उपासना) **अथवा** २. संप्रदाय के शास्त्र : भक्तचिंतामणि
३. मूलजी और कृष्णजी **अथवा** ४. शास्त्र क्या हैं?

प्र.४ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) **[९]**

१. भारत के तीर्थस्थान हमारे इतिहास के जीवित प्रतिनिधि हैं।
२. भगवान स्वामिनारायण ने अपने भक्तों की रक्षा में २१२ सुदर्शन चक्र रखे हैं।
३. हमें सभी क्रियाओं में भगवान की स्मृति रखने का उपदेश देते हैं।
४. बंगाल आश्रम के महंत को लोज में भगवान स्वामिनारायण के दर्शन करते ही मन में शांति हो गई।

प्र.५ राजा को पानी नहीं पिलाया -**'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।** **[५]**

प्र.६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। **[६]**

विषय : संप्रदाय के शास्त्र : वचनामृत

१. यह हमारी अनुभूत बात है। **२.** गढ़डा मध्य प्रकरण के ७६ वचनामृत है। **३.** यह स्वयं भगवान की परावाणी है। **४.** अन्यत्र माल मानना वह माया है। **५.** गढ़डा प्रथम प्रकरण के ७८ वचनामृत है। **६.** ये सभी बातें हमने प्रत्यक्ष देखकर की हैं। **७.** जैसा समझते हैं वैसा ही कहते हैं। **८.** चार हरिभक्तों ने वचनामृत को पुस्तक के रूप में संकलित किया है। **९.** सारंगपुर के १८ वचनामृत है। **१०.** वरताल संस्था से प्रकाशित वचनामृत की संख्या २६३ है। **११.** यह बात किसी प्रकार के दम्भ, मान के कारण अथवा अपना बड़प्पन को बढ़ाने के लिये नहीं करनी है। **१२.** अहमदाबाद के वचनामृत की संख्या २७४ है।

(१) केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

प्र.७ निम्नलिखित जनमंगलस्तोत्रम्/कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। **[८]**

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री मनोनिग्रहयुक्तिज्ञाय नमः..... ॐ श्री पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः॥
२. सत्संगी जे तमारा ..... अमने न नड़े।
३. यन्नामधेयश्रवणानुकीर्तना ..... दर्शनात्॥
४. मायामयाकृति ..... शरणं प्रपद्ये॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र.८ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''हमको तो आपके शरीर की चिंता है।''
२. ''आप ऐसा पक्षपात करें वह कैसे चलेगा?''
३. ''ये तेरे घर में बैठे हैं, वही अक्षर हैं।''

प्र.९ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. महाराज ने अपनी अंतिम अवस्था में ब्रह्मानंद स्वामी को कितने समय तक अपने पास रखा?
२. गुणातीतानंद स्वामी की सेवा से प्रसन्न होकर देवानंद स्वामी क्या देने को तैयार हुए?
३. तरणेतर मंदिर के महंत आए तब स्वामी क्या कर रहे थे?
४. स्वामी संतों के मंडल को कब उपदेश देते?
५. स्वामी उपशम स्थिति में थे तब क्या बोलते थे?

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) [९]

१. सब संतों ने स्वामी से कहा : 'हमारी गलती माफ करना।'
२. ब्रह्मानंद स्वामी ने जूनागढ़ के महंत सोच समझकर नियुक्त करने को कहा।
३. जूनागढ़ की खेंगार बाबड़ी सोरठ के सत्संगियों के सिर से भरी जा सकती थी।
४. भक्तों लकड़हारे के पास लकडियाँ लेने गए।

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) [८]

१. धर्मस्वरूपानंद ब्रह्मचारी दोष रहित हो गए
२. दर्शन की उत्कट इच्छा
३. वृत्ति का निरोध

प्र.१२ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए। (बारह पंक्तियों में) [४]

१. वृद्ध कोई भगवान का भजन नहीं करते २. जसा भगत का व्यवहार और सत्संग दोनों सम्भाले

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. मान अपमान में एकता
   (१) ☐ जितने में रानी का राज्य उतने में राजा का राज्य होता है।
   (२) ☐ डुंगर भक्त को आशीर्वाद
   (३) ☐ कोई विहारीलालजी महाराज को बुला ले आया।
   (४) ☐ सोरठ इलाके में विचरण का प्रारंभ कर दिया।

२. अयोध्याप्रसादजी महाराज के निवास पर।
   (१) ☐ महाराज के सर्वोपरिस्वरूप की अद्‌भुत बातें कही।
   (२) ☐ चांदी रूपी कचरे का त्याग ही रखना यह हमारा नियम हैं।
   (३) ☐ आपको तो कचरा और कंचन दोनों एक समान हैं।
   (४) ☐ श्रीजीमहाराज की आज्ञा नहीं है।

३. हनुमान द्वार पर महाराज - स्वामी का मिलन
   (१) ☐ श्रीहरि की मूर्ति में एकाग्र हो गए। (२) ☐ सगुण चरित्र नानाविधि।
   (३) ☐ सुनी मुनि मन भ्रम होय। (४) ☐ अपलक दर्शन।

४. महाराज ने स्वामी को पाथेय साथ में बाँध दिया
   (१) ☐ मीठा व्हाला केम विसरुं (२) ☐ सगुण न जाने कोई
   (३) ☐ निर्गुण ब्रह्म सुलभ अति (४) ☐ मारुं तमथी बांधेल तन हो।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। [६]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : बालचरित्र : समयान्तर से कैलासनाथ और पूरीबा को दूसरे पुत्र की प्राप्ति हुई। उसका नाम रखा रवजी।
उत्तर : बालचरित्र : समयान्तर से **भोलानाथ** और **साकरबा** को दूसरे पुत्र की प्राप्ति हुई। उसका नाम रखा **सुन्दरजी**।

१. **तुलसी दवे को समाधि :** संवत् १८१८ में मार्गशीर्ष पूर्णिमा का उत्सव अहमदाबाद में करके स्वामी सारंगपुर पधारे। यहाँ उन्होंने मन्दिर में विष्णु दवे की कथा सुनी। सुनकर स्वामी प्रसन्न हुए।
२. **वेदांतियों का पराजय :** महाराज अहमदाबाद पधारे हैं, वह समाचार रसीक वेदांत के मिथ्याभिमानी अज्ञानियों को मिला। वे धर्मचर्चा में महाराज को परेशान करने के लिए ही मंदिर में आए।
३. **आज्ञा धारक :** स्वामी नारायण का स्मरण करते हुए चलते चलते पाँच दिन के बाद जूनागढ़ पहुँचे। झीणाभाई तो अकाल के कारण गुप्तवास करते थे और संतो को मुलाकात नहीं देते थे।
४. **क्षमाशील :** नवाब का आदेश होते ही उनके सैनिकों ने हरिभक्तों को भिक्षा माँगते ही घेर लिया।
५. **जीव का ऊलटा स्वभाव :** माणावदर गाँव के जसराजभाई पटेल के पुत्र को ऐसा ही हुआ। उसका नाम था वासु। वह आचार्य महाराज का समागम करने वड़ताल आया करता था।
६. **निर्मानिता :** डभाण में संवत् १९१४ की पौषी पूर्णिमा का उत्सव करके स्वामी सारंगपुर के कोठारी अंबालाल और पार्षदों के आग्रह से संत-हरिभक्तों के संघ के साथ सारंगपुर पधारे।

* * *

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।**
http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx